Result Mitra

रिजल्ट मित्र स्पेशल

Hand Written

करंट अफेयर्स नोट्स

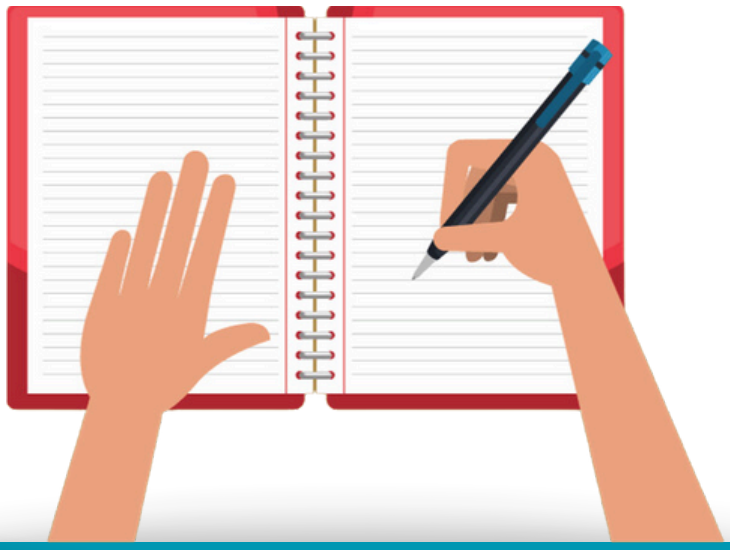

Topic -1 Short Notes

21 दिसंबर को विश्व ध्यान दिवस घोषित

चर्चा में क्यों

भारत ने 21 दिसम्बर को विश्व ध्यान दिवस घोषित करने के लिए संयुक्त राष्ट्र महासभा में प्रस्ताव प्रायोजित किया।

21 दिसम्बर ही क्यों – (1) उत्तरायण की शुरुआत
(2) आंतरिक शांति का प्रतीक

ज्ञातव्य है कि 21 दिसम्बर शीत संक्रांति का दिन है और भारतीय परंपरा के अनुसार यह दिन उत्तरायण की शुरुआत का दिन है जो कि साल के शुभ दिनों में से एक है विशेषकर आंतरिक विचारों और ध्यान लगाने के लिए।

- 21 दिसंबर विंटर सोलस्टाइस के रूप में चिन्हित है जो कि 21 जून को मनाए जाने वाले समर सोलस्टाइस और अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के छह माह बाद आता है।

क्या होता है सॉल्सटिस

साल के सबसे छोटे दिन को विंटर सॉल्सटिस भी कहा जाता है यह एक लैटिन शब्द है जो सोल्स्टम से बना है जिसमें सोल का अर्थ होता है सूर्य तो वहीं सेस्टेयर का मतलब होता है स्थिर खड़ा रहना। दोनों शब्दों को मिलाने से सॉल्सटिस शब्द बना है जिसका अर्थ होता है सूर्य का स्थिर रहना।

किन देशों के द्वारा लाया गया यह प्रस्ताव

इस प्रस्ताव को लिक्टेनस्टाइन की तरफ से संयुक्त राष्ट्र के पटल पर रखा गया तथा बांग्लादेश, बुल्गारिया, आइसलैंड, लग्जमबर्ग, मॉरीशस मोनाको, मंगोलिया पुर्तगाल, मोरक्को आदि देशों का समर्थन मिला

समर सोलस्टाइस

- प्रतिवर्ष 21 जून को
- यह वह दिन होता है जब सूर्य कर्क रेखा के सीधे ऊपर होता है
- यह साल का सबसे लंबा दिन और सबसे छोटी रात होती है

विंटर सोलस्टाइस

- प्रतिवर्ष 21 दिसंबर को
- इस दिन सूर्य मकर रेखा के सीधे ऊपर होता है
- यह साल का सबसे छोटा दिन एवं सबसे लंबी रात होती है

संयुक्त राष्ट्र महासभा के बारे में

* संयुक्त राष्ट्र महासभा, संयुक्त राष्ट्र का एक प्रमुख अंग है
* स्थापना - 1945 (संयुक्त राष्ट्र)
* सदस्य देश - 193
* विश्व की लघु संसद कहा जाता है
* पहला सत्र - 10 Jan 1946 (लंदन)
* मुख्यालय - न्यूयॉर्क (अमेरिका)

Result Mitra

पृथ्वी पूरे वर्ष सूर्य के चारों ओर अपनी कक्षा में घूमती है, जिसके कारण उसके विभिन्न हिस्सों को अलग-अलग समय पर अलग-अलग मात्रा में गर्मी प्राप्त होती है। जो भाग (ध्रुव) सूर्य की ओर अधिक झुका हुआ होता है, वह उस अवधि के दौरान लंबे दिनों और गर्म मौसम का अनुभव करता है। पृथ्वी के झुकाव और सूर्य के चारों ओर उसकी गति के कारण, वर्ष के दौरान क्रांति, संक्रांति, और विषुव जैसे खगोलीय घटनाएं होती हैं।

विषुव (Equinox):

- विषुव वह समय है जब पृथ्वी की भूमध्य रेखा का तल सूर्य के ज्यामितीय केंद्र से होकर गुजरता है।
- इस समय, सूर्य की सीधी किरणें भूमध्य रेखा पर पड़ती हैं।
- विषुव पर दिन और रात की अवधि समान होती है।
- **हर साल दो विषुव होते हैं**:
    a. 20 या 21 मार्च (वसंत विषुव): इस दिन सूर्य का केंद्र भूमध्य रेखा के ठीक ऊपर होता है, और उत्तरी गोलार्ध में इसे वसंत ऋतु की शुरुआत माना जाता है।
    b. 22 सितंबर (शरद विषुव):इस दिन सूर्य का केंद्र फिर से भूमध्य रेखा के ऊपर होता है और उत्तरी गोलार्ध में यह शरद ऋतु की शुरुआत का संकेत देता है।
- उत्तरी गोलार्ध में, मार्च विषुव को वसंत विषुव और सितंबर विषुव को शरद ऋतु विषुव कहा जाता है, जबकि दक्षिणी गोलार्ध में यह उल्टा होता है।
- विषुव पर, दिन और रात के बीच का विभाजक रेखा (टर्मिनेटर) पृथ्वी की भूमध्य रेखा के लंबवत होती है, जिससे उत्तरी और दक्षिणी गोलार्ध समान रूप से प्रकाशित होते हैं।
- यह वह समय भी होता है जब सूर्य पृथ्वी के एक ध्रुव पर उगता है और दूसरे पर अस्त होता है।
-

संक्रांति (Solstice):

- संक्रांति वह समय है जब सूर्य भूमध्य रेखा से सबसे अधिक या सबसे कम दूरी पर होता है, जिसके परिणामस्वरूप सबसे लंबे और सबसे छोटे दिन होते हैं।
- संक्रांति वर्ष में दो बार होती है:
    a. 21 जून (ग्रीष्म संक्रांति): यह उत्तरी गोलार्ध में सबसे लंबा दिन और सबसे छोटी रात होती है।
    b. 22 दिसंबर (शीतकालीन संक्रांति): यह उत्तरी गोलार्ध में सबसे लंबी रात और सबसे छोटा दिन होता है।

संक्रांति और विषुव, पृथ्वी के झुकाव और उसकी कक्षीय गति के कारण होने वाले खगोलीय परिवर्तन हैं, जो हमारे मौसम और दिन-रात की अवधि को प्रभावित करते हैं।

Topic-2 भारत को सामाजिक सुरक्षा पहल के लिए वैश्विक पुरस्कार

चर्चा में क्यों

भारत को एशिया प्रशांत क्षेत्रीय मंच में सामाजिक सुरक्षा में उत्कृष्ट प्रथाओं के लिए सम्मानित किया गया।

EPFO ने पाँच प्रमाण पत्र प्राप्त किए।

- संचार चैनल
- ई-पेंशनडिंग्स
- निधि आपके निकट
- मल्टीलिंगुअल कॉल सेंटर
- प्रयास पहल

अंतर्राष्ट्रीय सामाजिक सुरक्षा संघ (ISSA)

स्थापना - 1927

मुख्यालय - जिनेवा, स्विटजरलैंड

कर्मचारी भविष्य निधि संगठन - EPFO

गठन - 4 मार्च 1952

मुख्यालय - नई दिल्ली

मातृ संस्था - श्रम एवं रोजगार मंत्रालय

तीन योजनाएँ:

- कर्मचारी भविष्य निधि योजना - 1952
- कर्मचारी पेंशन योजना - 1995
- कर्मचारी जमा लिंक्ड बीमा योजना - 1976

- यह पेंशन और बीमा योजना प्रदान करने वाला शासकीय संगठन है

योजना का नाम

संक्षिप्त विवरण
लॉन्च का वर्ष
कर्मचारी राज्य बीमा योजना
संगठित क्षेत्र के कर्मचारियों को चिकित्सा लाभ, मातृत्व लाभ और बीमारी लाभ प्रदान करता है।
1952
कर्मचारी भविष्य निधि योजना
सेवानिवृत्ति लाभ योजना सेवानिवृत्ति या इस्तीफे पर कर्मचारियों को एकमुश्त राशि प्रदान करती है।
1952
गरीबी से जूझ रहे पूर्व सैनिकों को वित्तीय सहायता
गरीबी की स्थिति में रहने वाले पूर्व सैनिकों को वित्तीय सहायता प्रदान करता है।
1981
खिलाड़ियों के लिए पंडित दीन दयाल उपाध्याय राष्ट्रीय कल्याण कोष
भारत में खिलाड़ियों को वित्तीय सहायता और कल्याण सहायता प्रदान करता है।
1982
महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम
ग्रामीण परिवारों को रोजगार के अवसर और वेतन सुरक्षा की गारंटी प्रदान करता है।
2005
राष्ट्रीय पेंशन योजना
स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति बचत योजना सेवानिवृत्ति के बाद नियमित आय प्रदान करती है।
2004
राष्ट्रीय स्वास्थ्य बीमा योजना
गरीबी रेखा से नीचे के परिवारों के लिए स्वास्थ्य बीमा योजना अस्पताल में भर्ती खर्चों के लिए कैशलेस उपचार की पेशकश करती है।
2008
प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम
क्रेडिट-लिंक्ड सब्सिडी कार्यक्रम छोटे व्यवसायों के लिए वित्तीय सहायता प्रदान करके स्व-रोज़गार के अवसरों को बढ़ावा देता है।
2008
प्रधानमंत्री जनधन योजना
वित्तीय समावेशन कार्यक्रम सभी के लिए बैंकिंग सेवाओं, बीमा और पेंशन योजनाओं तक पहुंच प्रदान करता है।
2014
प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना
व्यक्तिगत दुर्घटना बीमा योजना मामूली प्रीमियम पर आकस्मिक मृत्यु और विकलांगता के लिए कवरेज प्रदान करती है।
2015
प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना
जीवन बीमा योजना रुपये का जीवन कवर प्रदान करती है। किफायती प्रीमियम पर 2 लाख।
2015
अटल पेंशन योजना
असंगठित क्षेत्र के श्रमिकों के लिए पेंशन योजना, योगदान के आधार पर निश्चित मासिक पेंशन राशि की पेशकश करती है।
2015
केंद्रीय पीड़ित मुआवजा निधि योजना (सीवीसीएफ)
अपराध के पीड़ितों को उनके पुनर्वास और राहत के लिए वित्तीय सहायता प्रदान करता है।
2015

प्रधानमंत्री वय वंदना योजना

वरिष्ठ नागरिकों के लिए गारंटीशुदा रिटर्न और नियमित आय प्रदान करने वाली पेंशन योजना।

2017

प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना

मातृत्व लाभ कार्यक्रम गर्भवती और स्तनपान कराने वाली महिलाओं को उनकी स्वास्थ्य देखभाल आवश्यकताओं के लिए वित्तीय सहायता प्रदान करता है।

2017

आयुष्मान भारत-प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना

स्वास्थ्य बीमा योजना कुछ बीमारियों और अस्पताल में भर्ती होने के खर्चों के लिए कैशलेस उपचार प्रदान करती है।

2018

अटल बीमित व्यक्ति कल्याण योजना

कर्मचारी राज्य बीमा योजना के अंतर्गत आने वाले बीमित व्यक्तियों को बेरोजगारी लाभ प्रदान करता है।

2018

प्रधानमंत्री श्रम योगी मान-धन योजना (पीएम-एसवाईएम) वृद्धावस्था सुरक्षा

असंगठित क्षेत्र के श्रमिकों के लिए पेंशन योजना 60 वर्ष की आयु तक पहुंचने पर न्यूनतम सुनिश्चित पेंशन प्रदान करती है।

2019

व्यापारियों और स्व-रोज़गार व्यक्तियों के लिए राष्ट्रीय पेंशन योजना (एनपीएस)

स्वैच्छिक पेंशन योजना जहां व्यक्ति न्यूनतम मासिक पेंशन रु. प्राप्त करने के पात्र हैं। 60 वर्ष की आयु तक पहुँचने पर 3000 रु.

2019

युद्ध हताहत कल्याण कोष के लिए विशेष पोर्टल

युद्ध में हताहत हुए लोगों के परिवारों को कल्याण सहायता और वित्तीय सहायता प्रदान करने के लिए एक समर्पित पोर्टल।

2022

मेधावी खिलाड़ियों को पेंशन हेतु खेल निधि

मेधावी खिलाड़ियों को उनकी उपलब्धियों और योगदान के लिए पेंशन प्रदान करने के लिए एक कोष की स्थापना की गई।

-

एलपीजी उपयोगकर्ताओं के लिए बीमा कवरेज

एलपीजी (तरलीकृत पेट्रोलियम गैस) के उपयोगकर्ताओं को दुर्घटनाओं, चोटों और संपत्ति की क्षति के लिए बीमा कवरेज प्रदान करता है।

-

विभिन्न रोजगार भूमिकाओं के लिए न्यूनतम वेतन

विभिन्न रोजगार भूमिकाओं में श्रमिकों के लिए उनकी आर्थिक भलाई की रक्षा के लिए न्यूनतम वेतन सुनिश्चित करता है।

Topic:-3 चिली की पूर्व राष्ट्रपति को इंदिरा गांधी शांति पुरस्कार

- हाल ही में 2024 का इंदिरा गांधी शांति, निरस्त्रीकरण और विकास पुरस्कार चिली की पूर्व राष्ट्रपति और मानवाधिकार कार्यकर्ता मिशेल बाचेलेट को प्रदान किया जाएगा।

- स्थापना :- 1986
- दिया जाता है :- इंदिरा गांधी मेमोरियल ट्रस्ट
- किसकी स्मृति में :- पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी
- पुरस्कार राशि :- 25 लाख रुपये

कुछ विजेताओं के नाम

(1) मिखाइल गोर्बाचेव (1987) - परमाणु निरस्त्रीकरण और शांति
(2) प्रोफेसर मुहम्मद युनुस (1998) गरीबी निवारण, महिला सशक्तिकरण
(3) बिल ऐंड मेलिंडा गेट्स फाउंडेशन-(2007)- स्वास्थ्य एवं गरीबी
(4) ऐंजेला मार्केल (2013) - वैश्विक संकट प्रबंधन एवं शांति उन्मूलन
(5) इसरो (2014) - अंतरिक्ष अनुसंधान एवं विकास
(6) डॉ. मनमोहन सिंह - (2017) - अर्थव्यवस्था
(7) गैर सरकारी संगठन प्रथम (2021)- गुणवत्तापूर्ण शिक्षा

इंदिरा गांधी शांति पुरस्कार

परिचय:

पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की स्मृति में स्थापित, यह पुरस्कार वर्ष 1986 से इंदिरा गांधी मेमोरियल ट्रस्ट द्वारा प्रतिवर्ष प्रदान किया जाता है। इसका उद्देश्य शांति, निरस्त्रीकरण और विकास के क्षेत्रों में असाधारण योगदान देने वाले व्यक्तियों या संगठनों को सम्मानित करना है। इसे अंतर्राष्ट्रीय शांति और विकास के क्षेत्र में एक प्रतिष्ठित सम्मान के रूप में देखा जाता है।

पुरस्कार की विशेषताएँ:

- इसमें 25 लाख रुपये की नकद राशि और एक प्रशस्ति पत्र दिया जाता है।
- यह शांति और विकास के क्षेत्र में अनुकरणीय कार्य को मान्यता प्रदान करता है।

पुरस्कार की श्रेणियाँ:

यह तीन श्रेणियों में प्रदान किया जाता है:

1. शांति: समाज में स्थिरता और सौहार्द्र को बढ़ावा देने वाले प्रयास।
2. निरस्त्रीकरण: हथियारों के नियंत्रण और उन्मूलन के लिये काम।
3. विकास: सतत और समग्र विकास को प्रोत्साहित करना।

चयन के मानदंड:

- यह पुरस्कार उन व्यक्तियों या संगठनों को दिया जाता है, जिन्होंने वैश्विक शांति, निरस्त्रीकरण और विकास के क्षेत्र में विशेष चुनौतियों का समाधान करने के लिये असाधारण प्रयास किए हों।
- उनके कार्य का सकारात्मक प्रभाव अंतर्राष्ट्रीय समुदाय में स्पष्ट रूप से दिखाई देना चाहिए।
- उनका योगदान मानव कल्याण और समाज की बेहतरी के लिये होना चाहिए।
- यह पुरस्कार विश्व के उन प्रयासों को उजागर करता है, जो शांति और मानवता के लिये प्रेरणा का स्रोत बनते हैं।

Topic-4 :- चौथी मेकांग गंगा धम्मयात्रा

- हाल ही में 20 से अधिक विद्वानों का दल थाईलैंड से नई दिल्ली पहुंचा है।
- उद्देश्य - बौद्ध धर्म के धम्म का प्रचार करने हेतु, शांति, पर्यावरण जागरूकता
- विषय - मेकोंक नदी बेसिन से महान गंगा तक
- इसमें पटना, बोधगया, नई दिल्ली और गुजरात जैसे प्रमुख बौद्ध स्थलों को शामिल किया गया है।
- यह यात्रा थाईलैंड के दिवंगत राजा भूमिबोल अदुल्यदेज की 97वी जयंती और 2015 में प्रधानमंत्री मोदी द्वारा प्रस्तुत एशियन सेंचुरी विद धम्मा प्रिंसिपल्स के दृष्टिकोण को सम्मानित करती है।

मेकोंग नदी

- दक्षिण पूर्व एशिया की सबसे लंबी नदी
- एशिया की 7 वी सबसे लंबी नदी
- दुनिया की 12 वी सबसे लंबी नदी
- लंबाई - 4350 km.
- उद्गम - चीन के किंघाई प्रांत से

मेकांग-गंगा धम्म यात्रा (Mekong-Ganga Dhamma Yatra)

परिचय:

मेकांग-गंगा धम्म यात्रा एक सांस्कृतिक और धार्मिक पहल है, जिसे बौद्ध धर्म के प्रचार, सांस्कृतिक आदान-प्रदान और ऐतिहासिक संबंधों को पुनर्जीवित करने के लिए आयोजित किया गया है। यह यात्रा भारत और मेकांग नदी से जुड़े देशों (कंबोडिया, वियतनाम, थाईलैंड, लाओस और म्यांमार) के बीच प्राचीन बौद्ध संबंधों को मजबूत करने का प्रतीक है।

उद्देश्य:

1. धार्मिक और सांस्कृतिक संबंधों को बढ़ावा देना: भारत और मेकांग क्षेत्र के देशों के बीच सांस्कृतिक और धार्मिक जुड़ाव को प्रोत्साहित करना।
2. बौद्ध विरासत का प्रचार: भारत और अन्य बौद्ध बहुल देशों की प्राचीन बौद्ध परंपराओं और ऐतिहासिक धरोहरों का सम्मान और प्रचार।
3. सांस्कृतिक संवाद: इन देशों के बीच सांस्कृतिक आदान-प्रदान और पारंपरिक मूल्यों को साझा करना।

मुख्य विशेषताएँ:

1. धार्मिक यात्रा: इस यात्रा के दौरान बौद्ध स्थलों, विहारों और ऐतिहासिक स्मारकों का दौरा किया जाता है।
2. अंतर्राष्ट्रीय सहभागिता: इसमें भारत और मेकांग देशों के धार्मिक और सांस्कृतिक प्रतिनिधियों की भागीदारी होती है।
3. धम्म (धर्म) का संदेश: शांति, सद्भाव और करुणा के बौद्ध संदेश का प्रसार।
4. सांस्कृतिक प्रदर्शन: यात्रा के दौरान बौद्ध संस्कृति, कला और संगीत से संबंधित प्रदर्शन किए जाते हैं।

महत्त्व:

- यह पहल भारत की "एक्ट ईस्ट पॉलिसी" के तहत भारत और दक्षिण पूर्व एशिया के देशों के बीच संबंधों को मजबूत करने का एक महत्वपूर्ण प्रयास है।
- मेकांग और गंगा नदियों को सभ्यता के प्रतीक और इन क्षेत्रों की सांस्कृतिक समृद्धि के आधार के रूप में देखा जाता है।
- यह यात्रा सांस्कृतिक और धार्मिक संबंधों के साथ-साथ पर्यटन और आर्थिक सहयोग को भी प्रोत्साहित करती है।

निष्कर्ष:

मेकांग-गंगा धम्म यात्रा भारत और दक्षिण पूर्व एशियाई देशों के बीच प्राचीन बौद्ध संबंधों को पुनर्जीवित करने और उन्हें समकालीन संदर्भ में प्रासंगिक बनाने का एक प्रयास है। यह यात्रा शांति, सद्भाव और सांस्कृतिक एकता का प्रतीक है।

Topic : महापरिनिर्वाण दिवस

* महापरिनिर्वाण दिवस भीमराव अम्बेडकर की पुण्यतिथि के रूप में मनाया जाता है (6 दिसम्बर को)
* 2024 में महापरिनिर्वाण दिवस डॉ. अम्बेडकर फाउंडेशन द्वारा संसद भवन में मनाया जाएगा।
* यह दिन बौद्ध साहित्य में भगवान बुद्ध की महापरिनिर्वाण की याद में होता है।
* ज्ञातव्य है। कि डॉ. अम्बेडकर ने अपने जीवन के अंतिम वर्षों में बौद्ध धर्म को अपना लिया था।

भीमराव अम्बेडकर के बारे में

- 1947 – देश के पहले कानून मंत्री
- पूरा नाम :- डॉ. भीमराव रामजी अंबेडकर
- जन्म – 14 अप्रैल 1891
- जन्म स्थान - महू अम्बेडकर नगर इंदौर (म.प्र.)
- कोलंबिया विश्वविद्यालय से डॉक्टरेट की उपाधि
- लंदन स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स से डॉक्टरेट
- समाज सुधारक, न्यायविद, अर्थशास्त्री, लेखक विद्वान, विचारक
- 1920 में मूकनायक समाचार पत्र की शुरुआत
- 1924 में बहिष्कृत हितकारिणी सभा की स्थापना
- 1930 में कालाराम मंदिर सत्याग्रह का नेतृत्व
- 1932 में पुना पैक्ट पर हस्ताक्षर
- 1936 में स्वतंत्र लेबर पार्टी की स्थापना

Result Mitra

भीमराव अंबेडकर की प्रमुख पुस्तकें

- एनीहिलेशन ऑफ कास्टस
- पाकिस्तान और द पार्टिशन ऑफ इंडिया
- हू वेर दी शूद्राज
- वेटिंग फॉर वीजा (आत्मकथा)

सम्मान और पुरस्कार

1990

भारत रत्न

- 6 दिसंबर 1956 को निधन
- बाबा साहब के नाम से प्रसिद्ध
- तीनों गोलमेज सम्मेलन में भाग लिया।

Result Mitra

डॉ. भीमराव अंबेडकर ने अपने सामाजिक और राजनीतिक विचारों को क्रियान्वित करने के लिए विभिन्न संगठनों और पार्टियों की स्थापना की। ये संगठन उनके दलित उत्थान, सामाजिक न्याय और समानता के उद्देश्य को पूरा करने के लिए बनाए गए थे।

1. इंडिपेंडेंट लेबर पार्टी (Independent Labour Party - ILP):
   - स्थापना: 1936
   - उद्देश्य: यह पार्टी डॉ. अंबेडकर द्वारा श्रमिकों, किसानों और दलितों के अधिकारों की रक्षा के लिए स्थापित की गई थी। पार्टी ने सामंतवादी व्यवस्था और जातिगत भेदभाव के खिलाफ आवाज उठाई।
   - कार्य: पार्टी ने भूमि सुधार, श्रमिकों के हितों और दलित अधिकारों को लेकर कई आंदोलनों का नेतृत्व किया।

2. शेड्यूल्ड कास्ट फेडरेशन (Scheduled Castes Federation - SCF):
   - स्थापना: 1942
   - उद्देश्य: यह संगठन विशेष रूप से अनुसूचित जातियों के राजनीतिक और सामाजिक अधिकारों की रक्षा के लिए बनाया गया था।
   - महत्त्व: यह संगठन डॉ. अंबेडकर के दलित अधिकारों की लड़ाई का एक प्रमुख हिस्सा था।

3. भारतीय बौद्ध महासभा (Bharatiya Bauddha Mahasabha):
   - स्थापना: 1955
   - उद्देश्य: डॉ. अंबेडकर ने इस संगठन की स्थापना बौद्ध धर्म के प्रचार-प्रसार और दलितों को धार्मिक समानता और सम्मान प्रदान करने के लिए की।

4. रिपब्लिकन पार्टी ऑफ इंडिया (Republican Party of India - RPI):
   - विचार: 1956 में डॉ. अंबेडकर ने "रिपब्लिकन पार्टी ऑफ इंडिया" की योजना बनाई थी। हालांकि, यह पार्टी उनके निधन के बाद 1957 में औपचारिक रूप से अस्तित्व में आई।
   - उद्देश्य: यह पार्टी डॉ. अंबेडकर के विचारों को आगे बढ़ाने और दलित, पिछड़े वर्गों के हितों की रक्षा करने के लिए बनाई गई।

डॉ. अंबेडकर की इन पार्टियों और संगठनों का योगदान:
1. दलितों और पिछड़े वर्गों को राजनीतिक पहचान दिलाना।
2. जातिगत भेदभाव के खिलाफ आंदोलन।
3. सामाजिक और आर्थिक सुधार के लिए नीतियां और कार्यक्रम।
4. बौद्ध धर्म के प्रचार और समानता के विचार को स्थापित करना।

इन संगठनों और पार्टियों के माध्यम से डॉ. अंबेडकर ने भारतीय समाज में समानता, न्याय और अधिकारों के लिए अपनी लड़ाई को मजबूती से आगे बढ़ाया।

1- UPSC(IAS) COMPLETE GS -5999 ₹.

2- NCERT for IAS/PCS -2499 ₹

3- ESSAY for IAS/PCS- 2199 ₹

4- UPSC PRELIMS TEST SERIES - 1399 ₹

5- सभी राज्यों के लिए टेस्ट सीरीज - 1399 ₹

कोर्स या Test Series के लिए

WhatssApp कीजिये

9235313184, 9235446806